SS – 108

III Semester B.Sc. Examination, November/December 2018
(CBCS) (F + R) (2016 – 17 & Onwards)
HINDI LANGUAGE – III
Natak, Sahityakaron-ka-Parichay Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

St. Francis De Sales College LIBRARY

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्यांश में लिखिए । **(10×1=10)**

1) अजित के घर पर बंसीलाल को किसने भेजा था ?

2) महिला विद्यालय के मन्त्री का नाम लिखिए ।

3) छह साल की बच्ची का नाम क्या था ?

4) टॉफी का डिब्बा कहाँ पर संभालकर रखा गया ?

5) किसको 'अजित मेड़' कहा गया है ?

6) "बिना दीवारों के घर" नाटक के नाटककार कौन हैं ?

7) मीना का विवाह किससे हुआ था ?

8) कपड़े की दुकान कौन सम्हालते थे ?

9) सोलह वर्ष की आयु में कौन विधवा हो गई थी ?

10) बर्मा शैल में किसने अर्ज़ी भेजी ?

II. किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **(2×7=14)**

1) "कम-से-कम तुम फोन ही कर देते और यह सब उसे समझा देते तो इतनी नाराज़ तो नहीं होती ।"

2) "पौधा छोटा होता है तो हम उसे गमले में रखते हैं, जब बढ़ जाता है तो जड़ से उखाड़कर धरती में नहीं गाड़ देते ?"

3) " देखिए, इस बार तो आप चढा दीजिए, बाकी जो बात हो हमसे कहिए, क्या सेवा की जाए आपकी ? "

III. ''बिना दीवारों के घर'' नाटक की कथावस्तु लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

अथवा

''जब दो व्यक्तियों के विचारों के बीच टकराहट होती है तो ऐसी परिस्थिति में हार हमेशा रिश्ते की होती है।'' – 'बिना दीवारों के घर' नाटक के आधार पर उक्त कथन का विवेचन कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। (2×5=10)

1) मीना

2) शोभा

3) अजित।

St. Francis Boys College LIBRARY

V. किसी **एक** साहित्यकार का परिचय दीजिए। (1×10=10)

1) भीष्म साहनी

2) कृष्णा सोबती।

VI. उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए। 10

'वायु-प्रदूषण' का सबसे अधिक प्रकोप महानगरों पर हुआ है। इसका कारण है बढता हुआ औद्योगीकरण। गत बीस वर्षों में भारत के प्रत्येक नगर में कारखानों की जितनी तेज़ी से वृद्धि हुई है उससे वायुमंडल पर बहुत प्रभाव पड़ा है क्योंकि इन कारखानों की चिमनियों से चौबीसों घंटे निकलने वाले धुँए ने सारे वातावरण को विषाक्त बना दिया है। इसके अलावा सडकों पर चलने वाले वाहनों की संख्या में तेज़ी से होने वाली वृद्धि भी वायु-प्रदूषण के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है। इन वाहनों के धुँए से निकलने वाली 'कार्बन मोनोक्साइड़ गैस' के कारण आज न जाने कितने प्रकार की साँस और फेफड़ों की बीमारियाँ आम बात हो गई हैं। इधर बढती हुई जनसंख्या, लोगों का काम की तलाश में गाँवों से शहरों की ओर भागना भी वायु-प्रदूषण के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी है। शहरों की बढ़ती जनसंख्या के लिए आवास की सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए वृक्षों और वनों को भी निरंतर काटा जा रहा है। वायु-प्रदूषण को बचानेवाले कारणों की हमें खोज करनी चाहिए। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।